पाद्पोन्मूलनशक्ति रंहः शिलोच्चये मूर्छति मारुतस्य·
c. अभि *i. q. simpl.* sgf. 1. Mah. 1. 7794.: कान्दर्पेण 'भिमूर्छिता·
c. सम् valere, magnum, potentem esse. Ragh. 16. 64.: श्रोत्रेषु सम्मूर्छति ... वारिमृदङ्गवाद्यम्·

मुर्व् 1. *P.* (बन्धने *K.* नहि *V.*) ligare, nectere.

मुशल v. मुषल·

1. मुष् 9. *P.* furari, rapere. N. 5. 7.: मुष्णन्ती प्रभया राज्ञाम् चक्षूंषिच मनांसिच; H. 42. 12.: महता भयेन मुषितः· *Cum acc. pers.* Rigv. 93. 4.: अमुष्णीतम् अवसम् पणिङ् गाः «eripuistis alimentum Pani, *nempe* vaccas.» — मुष् cl. 4. v. मुस्. (V. मूष्, मूष·)
c. परि furtum *alicui* facere, *c. acc. pers.* Mah. 3. 13030.: अन्योन्यम् परिमुष्णन्तो हिंसयन्तश्च मानवाः·

2. मुष् 1. *P.* (वधे) ferire, occidere, laedere. *Cf.* मष्·

3. मुष् *Adj. in fine composs.* (r. 1. मुष्) furans.

मुषल vel मुशल vel मुसल *m.* pistillum, teli genus. A. 10. 5.

मुष्क *m.* testiculus. Hit. 34. 21. 49. 14.

मुष्टि *m. f.* (ut videtur, a r. 2. मुष् s. ति) pugnus. (Huc traxerim germ. vet. *fûst* id., them. *fûsti*, mutatâ labiali nasali in mutam.)

मुह् 4. *P. interdum A.* Part. pass. मुग्ध et मूढ, gerund. मुग्ध्वा et मूढ्वा (v. euph. r. 102. *a.*). 1) animo conturbari, mentis errore affici, mente capi. Bh. 2. 13.: धीरस् तत्र न मुह्यति; 5. 15.: तेन मुह्यन्ति जन्तवः; Mah. 4. 425.: मा मुह्यस्व· 2) deliquium animi pati, animo linqui. R. Schl. I. 21. 21.: शोकेन महता ''विष्टश् चचालच मुमोहच; Mah. 3. 709.: मुमोहच पपातच· — मूढ animo conturbatus, mente captus, stultus, amens. N. 6. 12. 18. 10. — मुग्ध amore captus. Ragh. 9. 44. — *Intens.* valde conturbari. Mah. 3. 402.: मोमुह्यमान· — *Caus.* conturbare, stupefacere. N. 19. 24.: रथिनम् मोहयन् इव; Dev. 1. 66.: मोहयै 'तौ दुराधर्षाव् असुरौ· — मोहित conturbatus, stupefactus, mentis suae non compos, mente captus. N. 8. 16. 9. 4. 10. 28. Su. 4. 18. (Pottius huc trahit gr. μῶ-ρος, lat. *mô-rus.*)
c. आ praef. वि *Caus.* conturbare. Mah. 3. 12138.
c. परि *Caus. id.* Mah. 1. 3571.
c. प्र *i. q. simpl.* प्रमूढ animo conturbatus. M. 54. — *Caus.* conturbare. Dr. 6. 21.
c. प्र praef. वि *Caus.* conturbare. विप्रमोहित i. q. मोहित· H. 3. 17.
c. वि *i. q. simpl.* R. Schl. I. 9. 39.: सुकुमारैश्च तैर् अङ्गैस् ताभिः स्पृष्टो व्यमुह्यत· Bh. 2. 72. — विमुग्ध conturbatus. Hit. ed. Ser. p. 49.: महता भयेन विमुग्धः· विमूढ *id.* Bh. 3. 27.: अहङ्कारविमूढात्मा· — विमूढ *m.* Geniorum ordo. Su. 3. 5. — *Caus.* conturbare. A. 8. 7.: व्यमोहयन्त माम्; 10. 22.: व्यमोहयञ्च तान् सर्वान् रथमार्गेषु चरन् रणे·
c. सम् *i. q. simpl.* Bh. 3. 7.: धर्मसम्मूढचेताः; Dr. 6. 29.: दिशः सम्मुमुहुः परेषाम्· — *Caus.* conturbare. Mah. 2. 1949.
c. सम् praef. अभि अभिसम्मूढ: conturbatus. A. 10. 22.

मुहुस् *Adv.* identidem, iterum iterumque. N. 10. 26. *Saepe bis ponitur* (मुहुर्मुहुस्) In. 2. 25. N. 15. 20.

मुहूर्त *m. n.* 1) momentum. H. 2. 21. N. 17. 12. Sa. 5. 6. 2) hora (Wils.: *The thirtieth part of a day and night, or an hour of forty-eight minutes*). H. 4. 46.

मू 1. *A.* (बन्धने *K.* बन्धे *V.*) ligare, vincire. मूत ligatus. Am. *Cf.* मव्·

मूक mutus (ut mihi videtur, a r. मू ligare, sicut बधिर surdus a बन्ध् ligere; cf. lat. *mû-tus* = मूत ligatus.)

मूढ v. मुह्·

मूत्र् 10. *P.* (ut videtur, Denom. a मूत्र) mingere.

मूत्र *n.* (ut videtur, a r. मिव् mingere, correpto इव् in ऊ suff. त्र) urina. N. 7. 3.

मूर्ख (ut videtur, a r. मुर्छ्, i.e. मूर्छ्, c. ख् pro छ्, suff. अ) stultus, stupidus.

मूर्छ् v. मुर्छ्·

मूर्छा *f.* (r. मुर्छ् i.e. मूर्छ् s. आ) stupor. H. 1. 14.

मूर्त (a मूर्ति s. अ) corporeus. Ragh. 2. 69. P. 17.

मूर्ति *f.* (ut videtur, a r. मृ - cf. मुमूर्ष् - s. ति) corpus.

मूर्तिमत् (a praec. s. मत्) corporeus. N. 1. 15.